राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

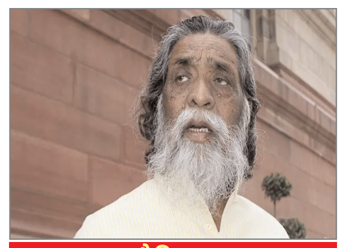

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 05 सितम्बर 2025
वर्ष 14, अंक 144, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिला संगठन का संघर्ष-डीआईओएस को प्रेषित ज्ञापन की मांगों पर कार्यवाही..03

तिनसुकिया में समन्वय शक्ति अभ्यास का सफल समापन..04

## बाढ़-बारिश की तबाही पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, केंद्र सरकार को भेजा नोटिस, 4 राज्यों से भी मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर भारत में मानसून के इस सीजन में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बाढ़ की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर केंद्र सरकार और इन चार राज्यों को नोटिस भेजा है। कोर्ट ने तीन हफ्तों के भीतर इन राज्यों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है ताकि बाढ़ के कारणों और उसके निवारण के उपायों का पता लगाया जा सके।

**सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख और चिंता**

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस वर्ष की भारी बारिश और विकराल बाढ़ पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस बार जो बाढ़ आई है वह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं लगती, बल्कि इसमें मानव जनित कारण भी हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के दौरान बड़ी मात्रा में लकड़ी के लट्ठ बहते देखे गए, जिससे अवैध कटाई की आशंका जताई जा रही है। इस कारण सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चार राज्यों से बाढ़ से जुड़े मुद्दे पर रिपोर्ट मांगी है। सॉलिसिटर जनरल को भी निर्देश दिए गए हैं कि केंद्र सरकार इस मामले को गंभीरता से ले।

**पंजाब में बाढ़ की भयावह स्थिति**

पंजाब में इस मानसून सीजन की बाढ़ सबसे विकराल मानी जा रही है। साल 1988 के बाद पहली बार प्रदेश के सभी 23 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जैसे जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। लगभग 1500 से 1600 गांव पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। 1.48 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो चुकी हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इस भीषण बाढ़ में करीब 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और लगभग साढ़े तीन लाख लोग बेघर हो गए हैं। सतलुज और रावी नदियां उफान पर हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं और पुनर्वास की जरूरत महसूस की जा रही है। पंजाब सरकार ने सभी प्रभावित जिलों को आपदा प्रभावित घोषित कर दिया है। इसके अलावा, भाखड़ा डैम में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है, जो चिंताजनक है।

**हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की बिगड़ी हालत**

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश ने बड़ी तबाही मचाई है। भारी बारिश के कारण अब तक बादल फटने की 45 और भूस्खलन की 95 घटनाएं हुई हैं। कुल्लू, मंडी, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, शिमला, सिरमौर और सोलन जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। हजारों

सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, और चंडीगढ़-मनाली हाईवे की सड़क ब्यास नदी के उफान से बह गई है। सतलुज, टोंस, यमुना और गिरि नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। हिमाचल में 50 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 4000 से अधिक घर तबाह हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के रामबन, रियासी, उधमपुर, डोडा, कटरा और श्रीनगर में भी भारी बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने भारी नुकसान पहुंचाया है। चिनाब, झेलम और तवी नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जम्मू-श्रीनगर हाईवे की सड़क भी बाढ़ में बह गई है, जिससे वैष्णो देवी यात्रा तक बाधित हुई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को 10 करोड़ रुपये राहत कार्यों के लिए आवंटित किए हैं। कई इलाकों से लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं।

**उत्तराखंड में भी आपदा की स्थिति**

उत्तराखंड में भी भारी बारिश और बाढ़ की वजह से कई इलाके प्रभावित हुए हैं। भूस्खलन, सड़क टूटने और बाढ़ के कारण कई जगह संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता दी है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कर रही हैं। कई पहाड़ी क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

**क्यों बनी यह बाढ़ इतनी विकराल?**

सुप्रीम कोर्ट ने इस बार की बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा नहीं माना है। कोर्ट का मानना है कि अवैध कटाई और पर्यावरणीय अनियंत्रण के कारण बाढ़ की गंभीरता बढ़ी है। जंगलों की कटाई से नदियों में जलधारण क्षमता कम हुई है और भूक्षरण बढ़ा है, जिससे बाढ़ का प्रभाव ज्यादा हुआ है। यह मानव जनित कारण है जिसने प्राकृतिक आपदा को और विकराल रूप दिया है।

**सरकार और प्रशासन की भूमिका**

बाढ़ प्रभावित राज्यों की सरकारें राहत कार्यों में जुटी हैं। पंजाब सरकार ने आपदा प्रभावित जिलों में फौरी राहत उपलब्ध कराई है। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर सरकारें भी भारी बारिश के कारण प्रभावित इलाकों में बचाव और पुनर्वास का काम कर रही हैं। केंद्र सरकार को भी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इस मामले पर रिपोर्ट देने को कहा गया है ताकि इस आपदा से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

## गुंडा टैक्स सपा सरकार का संस्कार था- सीएम योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**गोरखपुर**- उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के माहौल को निवेश की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर कटाक्ष किया कि व्यापारियों और उद्यमियों से गुंडा टैक्स की वसूली सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में 2251 करोड़ रुपये के निवेश और विकास परियोजना का शिलान्यास व लोकार्पण के मौके पर उन्होने कहा कि निवेश की परियोजनाओं में मल्टीनेशनल कंपनी कोका कोला के बॉटलिंग प्लांट का भूमि पूजन, देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद-पैकेजिंग कम्पनी टेक्नोप्लास्ट की यूनिट का लोकार्पण शामिल है।

**सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही सरकार '**

गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था। डबल इंजन सरकार के द्वारा प्रतिबद्धता से जनसेवा के किए गए कार्यों का परिणाम है कि आज प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है। निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं। रोजगार से खुशहाली आती है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही है।

**सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थीः योगी**

सीएम योगी ने बिना नाम लिए सपा पर शाब्दिक प्रहार करते हुए कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले, प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों ने नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। वोट बैंक की राजनीति में सुरक्षा से खिलवाड़ किया। बेटी-बहन की इज्जत की परवाह नहीं की, मातृशक्ति की गरिमा का ख्याल नहीं किया। ऐसे लोगों से विकास की उम्मीद कैसे की जा सकती है। जब ऐसे लोगों को मौका मिला और विकास नहीं करा पाए तो वे आगे भी नहीं करा पाएंगे। योगी ने कहा कि सपा सरकार में उद्यमियों, व्यापारियों से वसूली होती थी, गुंडा टैक्स लिया जाता था। आज ऐसा करने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। किसी ने गुंडा टैक्स वसूला तो अगले चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते मिलेंगे। सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थी। ये उजाले के दुश्मन थे। उन्होंने समाज में अराजकता फैलाई।

## राहुल गांधी ने पुराने GST ट्वीट फिर से किए शेयर, कांग्रेस बोली - बीजेपी को 8 साल बाद समझ आई अपनी गलती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत सरकार ने हाल ही में GST में बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत अब तस्ङ्ग की दरें केवल 5% और 18% रह जाएंगी। 12% और 28% के स्लैब को खत्म कर दिया गया है। ये नए नियम 22 सितंबर से पूरे देश में लागू हो जाएंगे, जिससे आम जनता को टैक्स में राहत मिलेगी। इस बदलाव के बीच कांग्रेस पार्टी ने अपने नेता राहुल गांधी के 8 और 9 साल पुराने ट्वीट सोशल मीडिया पर रिपोस्ट करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी को अपनी गलतियों का एहसास 8 साल बाद हुआ है, जबकि कांग्रेस शुरू से ही GST के गलत ढांचे के खिलाफ आवाज उठाती रही है।

**राहुल गांधी के पुराने ट्वीट में क्या कहा था उन्होंने?**

राहुल गांधी ने 2016 और 2017 में GSTको लेकर कई ट्वीट किए थे। 2017 के एक ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि भारत को "गब्बर सिंह टैक्स" नहीं, सरल और समझने वाला GST चाहिए। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने 28% टैक्स स्लैब खत्म करवाने के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने ये भी कहा था कि कांग्रेस 18% के CAP के साथ एक समान टैक्स दर के लिए लड़ाई जारी रखेगी। राहुल ने चेतावनी भी दी थी कि अगर बीजेपी ये काम नहीं करेगी, तो कांग्रेस इसे करके दिखाएगी। 2016 के ट्वीट में राहुल गांधी ने GST की दर 18% रखने को सभी के हित में बताया था।

**कांग्रेस नेताओं की बीजेपी पर तंज और आलोचना**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी को अपनी गलती का एहसास 8 साल बाद हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बीच बीजेपी ने मध्यम वर्ग और गरीबों को बहुत ज्यादा टैक्स के दबाव में रखा। चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस ने शुरुआत से ही GST के गलत होने की बात कही थी लेकिन बीजेपी ने उन बातों को नजरअंदाज किया। दूसरे नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस लंबे समय से GST 2.0 का समर्थन करती रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब GST परिषद सिर्फ एक औपचारिकता रह गई है, क्योंकि पीएम मोदी ने पहले ही 15 अगस्त को GST दरें घटाने की बात कह दी थी। जयराम रमेश ने कहा कि ये टैक्स सिस्टम "गुड एंड सिंपल" होने की बजाय विकास में बाधा बन गया है।

**पवन खेड़ा की राय- राहुल गांधी की समझ का सवाल**

कांग्रेस के करीबी पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी शुरू से ही दो स्लैब की बात कर रहे थे और चाहते थे कि टैक्स सिस्टम को सरल बनाया जाए। उन्होंने मजाक में कहा कि बीजेपी को समझने में 9 साल लग गए, जो या तो उनकी समझदारी की कमी है या फिर घमंड की वजह से ऐसा हुआ है।

**नए GST नियमों का फायदा**

सरकार द्वारा किए गए बदलाव के बाद अब GSTके दो ही स्लैब रहेंगे- 5% और 18%। इससे छोटे व्यवसायों और आम उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी। 12% और 28% स्लैब हटाने से कई उत्पादों और सेवाओं पर टैक्स दर कम हो जाएगी। इससे कारोबार में पारदर्शिता बढ़ेगी और टैक्स नियमों को समझना आसान होगा।

## संक्षिप्त ख़बरें

### ड्यूटी भूलकर नर्तकी के साथ डांस करने लगे दारोगा जी, वीडियो वायरल होने के बाद SSP ने कर दिया सस्पेंड

बिहार में सारण जिला के मशरक थाना क्षेत्र में पदस्थापित एक पुलिस पदाधिकारी को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक नंद किशोर सिंह की ड्यूटी डुमरसन के महावीरी झंडा मेला में लगाया गया था। जहां एक मंच पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान पुलिस अवर निरीक्षक नंद किशोर सिंह मंच पर चढ़ कर नर्तकी के साथ नाच करने लगे। सूत्रों ने बताया कि उस कार्यक्रम का वीडियो वायरल होने और सारण के पुलिस अधीक्षक के पास इसकी सूचना पहुंचने के बाद एक जांच समिति ने मामले की जांच कर उक्त वीडियो की सत्यता प्रमाणित होने पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अवर निरीक्षक नंद किशोर सिंह को निलंबित करते हुये तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की है।

### भारत-सिंगापुर संबंध कूटनीति से कहीं आगे हैं- प्रधानमंत्री मोदी

भारत और सिंगापुर ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके सिंगापुरी समकक्ष लॉरेंस वोंग की मौजूदगी में अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक रोडमैप का अनावरण किया, जिसमें दुनिया में मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। वोंग मंगलवार को नयी दिल्ली पहुंचे थे। मोदी और वोंग ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम पर व्यापक वार्ता की। मोदी ने वोंग की उपस्थिति में कहा कि भारत-सिंगापुर संबंध कूटनीति से कहीं आगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने निर्णय लिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा। मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा,"आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं समान हैं।" उन्होंने कहा, "हमारा मानना है कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना उन सभी देशों का कर्तव्य है जो मानवता में विश्वास रखते हैं।" मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर आधारित है और यह आपसी हितों तथा शांति एवं समृद्धि के लिए साझा दृष्टिकोण से निर्देशित है। वहीं वोंग ने कहा कि अनिश्चितता और अशांति से भरी दुनिया में भारत तथा सिंगापुर के बीच साझेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मोदी-वोंग वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय रिज़र्व बैंक और 'मॉनिटरी अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर 'के बीच हुआ डिजिटल परिसंपत्ति नवाचार पर समझौता इनमें से एक है।

## दिल्ली में यमुना का कहर- राहत शिविरों में भी भरा पानी, मयूर विहार से लेकर सचिवालय तक जल ही जल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है और यह खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नतीजतन, निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि राहत शिविरों में भी पानी भर गया है। गुरुवार सुबह 9 बजे यमुना नदी का जलस्तर पुराने रेलवे पुल पर 207.47 मीटर रिकॉर्ड किया गया। सुबह 5 बजे और 6 बजे के आंकड़े भी लगभग इतने ही थे। अधिकारियों के अनुसार, सुबह 2 बजे से 5 बजे तक जलस्तर स्थिर रहा, लेकिन 6 बजे यह 207.48 मीटर तक पहुंच गया। यह स्पष्ट संकेत है कि खतरा टला नहीं है। पुराना रेलवे पुल यमुना के जलस्तर की निगरानी के लिए अहम माना जाता है। यहीं से यह तय होता है कि बाढ़ की स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। यमुना के जलस्तर में वृद्धि के कारण दिल्ली के निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। मयूर विहार फेज-1, मोनेस्ट्री मार्केट और यमुना बाजार जैसे क्षेत्र पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति राहत शिविरों की है, जहाँ लोगों को सुरक्षित स्थान पर रखने की योजना थी लेकिन अब वही

शिविर भी पानी में डूब चुके हैं।

**ड्रोन से दिखा बाढ़ का भयावह नज़ारा**

मयूर विहार के पास ड्रोन से लिए गए दृश्य बेहद डरावने हैं। इन तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे यमुना का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। दिल्ली सचिवालय के पास भी जलभराव की खबर है, जहां मुख्यमंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं। अलीपुर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सुबह करीब 6 बजे फ्लाईओवर का एक हिस्सा गिर गया। लगातार बारिश के चलते यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि घटनास्थल पर एक क्षतिग्रस्त ऑटो रिक्शा देखा गया है। बुधवार को सिविल लाइंस क्षेत्र में चंदगी राम अखाड़े के पास भीषण जलभराव देखने को मिला। यह इलाका राजधानी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है, और यहां जलभराव की स्थिति से प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं।

**10,000 से अधिक लोग किए गए स्थानांतरित**

रिपोर्टों के अनुसार, अब तक 8,000 से अधिक लोगों को तंबुओं में पहुंचाया जा चुका है। इसके अलावा 2,000 से ज्यादा लोगों को स्थायी आश्रयों में स्थानांतरित किया गया है। प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि किसी भी नागरिक को असुरक्षित क्षेत्रों में न रहना पड़े।

**आईएमडी का अलर्ट- आगे भी जारी रहेगी बारिश**

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली सहित नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गरज-चमक के साथ भारी बारिश का यह दौर जनजीवन को और प्रभावित कर सकता है। प्रशासन को पहले से ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

**प्रशासन की चुनौतियाँ बढ़ीं**

बारिश और यमुना के बढ़ते जलस्तर ने दिल्ली प्रशासन की चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया है। जहां एक ओर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना है, वहीं दूसरी ओर राहत शिविरों में भी सुरक्षा और सुविधाओं का इंतज़ाम करना जरूरी हो गया है।

## ममता बनर्जी ने केंद्र पर बोला जोरदार हमला, कहा- कभी अमेरिका तो कभी चीन के सामने गिड़गिड़ा रही सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विदेशी ताकतों के सामने भारत की प्रतिष्ठा को बेच दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार "कभी अमेरिका के सामने तो कभी चीन के सामने भीख मांग रही है"। अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर हमलों से संबंधित सरकारी संकल्प पर राज्य विधानसभा में चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की ''तानाशाही मानसिकता%% है। भाजपा "पश्चिम बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना" चाहती है। बनर्जी ने जैसे ही इस संकल्प पर बोलना शुरू किया तो हंगामा होने लगा।

उन्होंने कहा, "भाजपा ने विदेशी ताकतों के सामने भारत की प्रतिष्ठा बेच दी है। केंद्र सरकार कभी चीन के सामने गिड़गिड़ा रही है, तो कभी अमेरिका के सामने। वे देश नहीं चला सकते, राष्ट्र के हितों की रक्षा नहीं कर सकते, फिर भी हमें उपदेश देने की हिम्मत रखते हैं।" मुख्यमंत्री ने भाजपा पर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों पर चर्चा को रोकने का भी आरोप लगाया। बनर्जी ने दावा किया, "भाजपा बंगाली प्रवासियों पर हमलों को लेकर चर्चा के खिलाफ क्यों है? ऐसा इसलिए है... क्योंकि ये घटनाएं पार्टी शासित राज्यों में हो रही हैं। वे सच्चाई को दबाना चाहते हैं।"

**'भाजपा स्पष्ट रूप से बांग्ला विरोधी है... '**

सदन में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्षी पार्टी की नारेबाजी के बीच अपनी बात कहने की कोशिश करते हुए बनर्जी ने पूछा, "भाजपा मुझे इस सदन में बोलने क्यों नहीं दे रही है?" उन्होंने कहा, "हम हिंदी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा स्पष्ट रूप से बांग्ला विरोधी है। उनका रवैया औपनिवेशिक और तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। वे पश्चिम बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहते हैं।"

**भाजपा तानाशाहों की पार्टी है- ममता बनर्जी**

ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा के "वैचारिक पूर्वजों" ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के साथ विश्वासघात किया था। उन्होंने आरोप लगाया, "भाजपा तानाशाहों की पार्टी है। उनके पूर्वजों ने भारत की आजादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने देश के साथ विश्वासघात किया।" नोकझोंक बढ़ने पर, सत्ता पक्ष के कुछ विधायक विपक्षी दलों की ओर दौड़ पड़े, जिससे मार्शलों को हस्तक्षेप करना पड़ा। हंगामे की स्थिति के बीच मुख्यमंत्री को अपना भाषण कुछ देर के लिए रोकना पड़ा।

## भूकंप के झटकों से फिर दहला अफगानिस्तान, 1400 से ज्यादा मौतें व हज़ारों घायल, भारत ने भेजी मदद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह फिर से भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक इसकी तीव्रता 4.8 रही और यह 135 किलोमीटर की गहराई में आया ।इससे पहले बुधवार देर रात भी 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था। यह सिर्फ 10 किलोमीटर की गहराई पर था, इसलिए झटके ज्यादा खतरनाक साबित हुए। shallow (सतही) भूकंप आमतौर पर ज्यादा नुकसान करते हैं क्योंकि इनके झटके सीधे सतह तक पहुंच जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सतही (शैलो) भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं, क्योंकि इनके झटके सतह तक तेजी से पहुँचते हैं और ज़्यादा तबाही मचाते हैं। इससे पहले कुनर प्रांत में पहले आए 6.0 तीव्रता वाले भूकंप में 1400 से अधिक लोग मारे गए व 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकांश प्रभावित लोग ग्रामीण इलाके में रहते हैं, जहां मकान कच्ची ईट और लकड़ी के बने थे। मृतकों और घायल लोगों की संख्या बढ़ने के बीच बचाव दल लगातार जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। प्रभावित इलाके में घर ढह

गए हैं और सड़कें भूस्खलन के कारण बंद हो गई हैं, जिससे राहत कार्य में कठिनाई आ रही है।इसके कुछ समय बाद ही पूर्वोत्तर अफगानिस्तान में फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 5.2 मापी गई है। यह झटके उस भूकंप के ठीक बाद आए, जिसने रविवार रात को क्षेत्र को हिला दिया था और 1,400 से अधिक लोगों की मौत हो गई । भूकंप से सबसे ज़्यादा प्रभावित कुनार और नंगरहार प्रांतों में हालात बेहद गंभीर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) ने प्रभावित इलाकों में आपात राहत भेजी है। शुरुआती मदद में खाद्य सामग्री और हाई-एनर्जी बिस्किट भेजे गए हैं। जल्द ही और सहायता व कर्मियों को ले जाने वाली उड़ानें रवाना की जाएंगी। डब्ल्यूएफपी के क्षेत्रीय निदेशक हेराल्ड मानहार्ट ने हालात का वर्णन करते हुए कहा, "घर मलबे में बदल गए हैं, सड़कें टूट चुकी हैं, जगह-जगह भूस्खलन है और दुख की बात है कि कई जिंदगियां चली गईं।"उन्होंने बताया कि राहत टीमों के सामने टूटी सड़कें, दुर्गम इलाका और आफ्टरशॉक्स बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

**भारत ने भेजी मदद**

भारत ने अफगानिस्तान को राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर जानकारी दी कि भारतीय सहायता काबुल पहुँच चुकी है। भारत की ओर से 21 टन राहत सामग्री भेजी गई है, जिसमें ब्लैंकेट, तंबू, हाइजीन किट, पानी स्टोरेज टैंक, जनरेटर, रसोई के बर्तन, पोर्टेबल वॉटर प्यूरीफायर, स्लीपिंग बैग, दवाइयाँ, व्हीलचेयर, सैनिटाइज़र, वाटर प्यूरीफिकेशन टैबलेट्स, ओआरएस और मेडिकल उपकरण शामिल हैं । जयशंकर ने लिखा- "भारतीय भूकंप सहायता आज हवाई मार्ग से काबुल पहुँची। ज़रूरत की तमाम चीज़ें तुरंत भेजी गई हैं।" कुल मिलाकर, बार-बार आ रहे भूकंप और हालिया बाढ़ के कारण अफगानिस्तान का मानवीय संकट और गहरा गया है। राहत एजेंसियाँ और अंतरराष्ट्रीय मदद ज़मीन पर तेजी से काम कर रही हैं, लेकिन चुनौतियाँ अब भी बड़ी हैं।

## भारतीय-अमेरिकी अमित क्षत्रिय बने नासा के सह-प्रशासक, संभालेंगे चंद्रमा-मंगल मिशन की कमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भारतीय-अमेरिकी अमित क्षत्रिय को 'अन्वेषण-केंद्रित ' नया सह-प्रशासक नियुक्त किया है। नासा में 20 साल सेवा दे चुके क्षत्रिय हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के अन्वेषण प्रणाली विकास मिशन निदेशालय (ईएसडीएमडी) में चंद्रमा और मंगल से जुड़े अभियान कार्यक्रमों के उप-प्रभारी थे। नासा के एक बयान में कहा कि कार्यवाहक नासा प्रशासक सीन पी डफी ने बुधवार को अमित क्षत्रिय को नासा का अन्वेषण केंद्रित नया सह-प्रशासक नियुक्त किया।

विस्कॉन्सिन में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे एवं कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) तथा ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त क्षत्रिय इतिहास में मिशन नियंत्रण उड़ान निदेशक के रूप में सेवा करने वाले लगभग 100 लोगों में से एक हैं। नासा की वेबसाइट पर उनके प्रोफाइल के अनुसार, वह 2003 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़े थे। क्षत्रिय को अंतरिक्ष स्टेशन के 50वें अभियान के वास्ते प्रमुख उड़ान निदेशक के रूप में उनके कार्यों के लिए नासा उत्कृष्ट नेतृत्व पदक से सम्मानित किया गया था। नासा ने कहा कि अपनी नयी भूमिका में वह एजेंसी में सर्वोच्च रैंक वाले सिविल सेवक के रूप में तथा डफी के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम करेंगे। कैलटेक के पूर्व छात्र के ब्लॉग के अनुसार, क्षत्रिय के पिता इंजीनियर थे और उनकी मां केमिस्ट थीं - दोनों ही भारतीय प्रवासी थे - जिन्होंने गणित और विज्ञान में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। क्षत्रिय और उनकी पत्नी के तीन बच्चे हैं।

# जीवन दर्शन-सत्य का विराट,विहंगम स्वरूप

**सत्य सदेव शाश्वत होता है।**

"सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति अतुल्य बल प्रदान करती ह" यह बात स्वामी विवेकानंद जी ने कही है। यह सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित "सत्यमेव जयते" आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे। आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊर्जावान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज़ प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है। और अंत में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि" सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है" यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवं सर्वकालीन है।

**संजीव ठाकुर**

# शिखर सम्मेलन में भारत की दोस्ती का रंग देख कर अमेरिका की हड़बड़ाहट बढ़ी

चीन में एससीओ की बैठक में भारत के साथ चीन और रूस की दोस्ती का नजारा दुनिया ने देखा।चीन ने भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्ते को मजबूती देने का भरोसा दिलाया।चीन के बाद रूस भारत की वार्ता और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात से दुनिया की नजर भारत पर टिकी हुई थी।टैरिफ की घोषणा के बाद अमेरिका को अपनी करणी पर अफसोस जरूर हुआ है। चीन और रूस की दोस्ती के रंग में रंगे समृद्धि शाली देश से अमेरिका नाराज है।रूस भारत की दोस्ती कई दशकों से अविरल चली आ रही है। चीन ने शिखर सम्मेलन में भारत को सम्मान दिया है,उसकी वैश्विक स्तर पर भारत की प्रशंसा की जा रही है।अमेरिका ने भारत को समझने में बड़ी भूल की और चार दशक के पूर्व का भारत समझ लिया।अमेरिका की टैरिफ घोषणा से भारत को आर्थिक स्वावलम्बी बनाने का रास्ता खोल दिया।अमेरिका ने टैरिफ की घोषणा के बाद भारत को डेड इकोनॉमी वाला देश कहकर भारत के सम्मान को दबाने की कोशिश ही नही की,बल्कि भारत के बढ़ते वर्चस्व और आर्थिक विकास के मार्ग में कांटे बिछाने का ही कार्य किया है।एससीओ की बैठक के बाद भारत सकारात्मक की तरफ आगे बढ़ रहा है। भारत के बढ़ते वर्चस्व और चीन,रूस जैसे शक्तिशाली, सामरिक शक्ति सम्पन्न देश ने भारत के सम्मान में कोई कसर नही छोड़ी।भारत की लोकप्रियता से हतप्रभ अमेरिका को यह आभास हुआ है कि भारत के साथ मित्रतापूर्ण सम्बंध में दीवार खड़ी करने की भूल अमेरिका ने की है।भारत की यह बड़ी जीत हुई है।प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ विश्व समुदाय को अपील की गई। मोदी ने कहा कि आतंकवाद नासूर बन गया है।हर देश मिलकर आतंकवाद का विरोध करने के लिए एक मंच पर आने की आवश्यकता है। आतंकवाद का दोहरा मापदंड है।हम सभी को मिलकर मुकाबला करना होगा।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उपस्थिति में भारत ने आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने का संकल्प लिया।संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद को लड़ने का संकल्प लेते हुए मोदी ने पहलगाम में आतंकी घटना में मारे गए 26 निर्दोष लोगों की मौत को घृणास्पद कृत्य बताते हुए कड़ी निंदा की गई। विश्व मे फैले आतंकवाद के लिए सभी मिलकर मुकाबला करने की मोदी ने विश्वमंच से अपील की। दरअसल,पीएम शहबाज शरीफ की मौजूदगी में मोदी ने कहा कि आतंवाद के मामले में भारत दोहरा रवैया कभी भी सहन नही करेगा।अपने व्यक्तव्य में पाकिस्तान प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भी आतंकवाद का सामना कर रहे है।मोदी ने आतंकवाद की घटना की निंदा करते हुए कहा कि पहलगाम हमला मानवता में विश्वास करने वाले हर देश के लिए चुनौती है।मोदी ने कहा कि भारत की संस्कृति और विरासत की अहमियत के मद्देनजर भारत की मजबूत कनेक्टिविटी ही महत्वपूर्ण नही है,बल्कि विश्वास भारत की पहली प्राथमिकता है और विकास भारत का मूल मंत्र है।क्षेत्रीय सम्प्रभुता और अखण्डता का सम्मान होना चाहिए। ग्लोबलाइजेशन में भारत मे अपना स्थान निश्चित किया है।भारत विश्वगुरू बनने के कगार पर है।कुछ साल पहले भारत को नसियत दी जाती थी।भारत के प्रधानमंत्रियों को विदेशो में कोई खास महत्व नही देते थे। परन्तु भारत समृद्धिशालीऔर ताकतवर होते ही दुनिया भारत की बात सुनती है।और उस पर अमल भी करती है।पुतिन को सीधे युक्रेन का जिक्र करते हुए मोदी ने युद्ध विराम का मुद्दा उठाया और स्थायी शांति के लिए रास्ता खोजने का आग्रह किया।भारत प्रोधोगिकी में अपना स्थान सुनिश्चित करने के पथ पर अग्रसर है। पुतिन ने भारत को अहम साथीदार बताया।उसके साथ ही अमेरिका की चिंता बढ़ गई।अमेरिका ने द्विपक्षीय सम्बन्धो में दीवार खड़ी करने के बाद भारत ने रुख अन्य देशों के साथ किया।अमेरिका समझ रहा था कि भारत को मुट्ठी में कर दूंगा।पर अमेरिका की सोच पर पानी फिर गया। अमेरिका के रोब का भारत पर कोई विपरीत असर नही हुआ।भारत ने रूस के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के बाद मोदी ने कहा कि कठिन से कठिन समय मे भारत और रूस के दोस्ती में कोई फर्क नही आएगा।इस चर्चा के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भृकुटि तन गई है। शांति,स्थिरता और समृद्धि के लिए रूस से मैत्री भारत क़ेलिए अहम है। एक दशक पहले भारत दुनिया मे गरीब समझा जाता था।आज दुनिया की विचारधारा ही बदल चुकी है।पुतिन ने भारत और रूस के सम्बंध के बारे में जिक्र किया और कहा कि दोनो देशो के रिश्ते मजबूत हो रहे है। चीन के साथ भारत के सीमा विवाद बढ़ने से मनमुटाव बढ़ गया था।लेकिन चीन हमारा हितैषी शुभचिंतक बनने जा रहा है। भारत को रूस का साझेदार बताते हुए कहा कि स्थिरता और शान्तिं के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए मंच से हुंकार भरी।बहुस्तरीय सहयोग स्थापित किया है।भारत रूस से तेल खरीदने वाला सबसे बड़ा देश है।रूस को जंग में आर्थिक सहयोग मिल रहा है।आर्थिक वितीय और ऊर्जा क्षेत्र में दोनो देशो से बातचीत हुई है। मोदी और पुतिन की प्रतिबद्धता की वजह से रचनात्मक से साझेदारी मजबूत बनी हुई है।भारत को एससीओ में जीत हासिल हुई हैं।जबकि देश सामरिक शक्ति के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है।

**कांतिलाल मांडोत**

# दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

१.मेष- आज पूरानी योजना फलीभूत होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। मतभेद समाप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य में प्रगति होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। समय आपके पक्ष में है।

२.बृष- परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

३.मिथुन- स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बुद्धि व ज्ञान की वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। बड़ों की बात मानें, लाभ होगा। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। जोखिम न लें। आलस्य रहेगा।

४.कर्क- आज पूरा दिन दौड़धूप अधिक होगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। घर-बाहर तनाव रहेगा। शांति बनाए रखें। अधिक प्रयास करने से लाभ होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

५.सिंह- विवाद को बढ़ावा न दें। उत्तेजना पर नियंत्रण आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। घर में अशांति रहेगी। कुसंगति से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है, धैर्य रखें।

६.कन्या- आज उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। दूसरों के काम की जवाबदारी न लें। प्रयास भरपूर करें, लाभ होगा। वरिष्ठजनों से मेल-मुलाकात होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

७.तुला- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा से लाभ होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम उठाने व जल्दबाजी करने से बचें।

८.वृश्चिक- रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बाहरी-भीतरी मतभेद समाप्त होने से प्रसन्नता रहेगी।

९.धनु- इन दिनों भाई व पार्टनर से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। रोजगार में वृद्धि होगी। परिवार में कोई मंगल कार्य हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

१०.मकर- आज के दिन में साधनों पर अतिव्यय हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्की मजाक न करें। घर-बाहर तनाव रह सकता है। कार्यकुशलता में कमी रहेगी। कोई बड़ी गलती हो सकती है। अपरिचितों पर विश्वास न करें।

११.कुंभ- तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

१२.मीन- आज आपको पूरा मेहनत का फल मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय में वृद्धि होगी। कोई बड़ी समस्या का हल मिलेगा। मित्र व संबंधी सहयोग करेंगे। घर के बड़ों की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान पक्ष तरक्की करेगा।

# संपादकीय

## मराठा आरक्षण और मनोज जरांगे का संघर्ष

महाराष्ट्र की राजनीति और समाज में पिछले कई महीनों से जिस मुद्दे ने सबसे अधिक हलचल मचाई हुई थी, वह मराठा आरक्षण का सवाल है। इसी संदर्भ में मराठा समाज के नेता और कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने एक बार फिर आमरण अनशन का रास्ता चुना। मुंबई के आज़ाद मैदान में उन्होंने लगातार पांच दिनों तक भूख हड़ताल की। उनका यह आंदोलन न केवल मराठा समाज की चिंताओं और अधिकारों का प्रतीक बना बल्कि महाराष्ट्र सरकार और न्यायपालिका के सामने भी एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरा। 29 अगस्त से शुरू हुआ उनका अनशन आज निर्णायक मोड़ पर पहुंचा जब सरकार ने उनकी आठ में से छह मांगें मान लीं और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने स्वयं उन्हें जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। इस घटना ने मराठा आरक्षण आंदोलन को नई दिशा दी है और भविष्य की राजनीति पर भी गहरा असर डालने की संभावना पैदा कर दी है। मनोज जरांगे की मांगों में सबसे प्रमुख मुद्दा सभी मराठाओं को कुणबी प्रमाणपत्र देने का था। कुणबी जाति ओबीसी आरक्षण में शामिल है और मराठा समाज लंबे समय से यही मांग कर रहा है कि उन्हें भी इसी श्रेणी में मान्यता दी जाए। जरांगे का कहना था कि ऐतिहासिक दस्तावेज़, गजट और पुराने रेकॉर्ड इस बात की पुष्टि करते हैं कि मराठा और कुणबी समाज आपस में जुड़े हुए हैं। उनकी दूसरी अहम मांग थी कि हैदराबाद, सतारा और औंध रियासतों के गजट्स को लागू किया जाए, क्योंकि इन गजट्स में मराठाओं को कुणबी के तौर पर दर्ज किया गया है। इसके अलावा आंदोलनकारियों पर दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने, आंदोलन में शहीद हुए लोगों के परिवारों को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी देने, 58 लाख कुणबी नोंदी ग्राम पंचायत स्तर पर चिपकाने, और वंशवली समिति को अधिक समय और कार्यालय देने जैसी मांगें भी उन्होंने रखीं। सरकार ने इनमें से छह मांगों को मान लिया। हैदराबाद गजट लागू करने का निर्णय लिया गया, सतारा और औंध गजट्स की प्रक्रिया भी शुरू करने पर सहमति बनी, आंदोलनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने का आश्वासन दिया गया, आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को पंद्रह करोड़ रुपये और पात्रता अनुसार नौकरी देने का वादा किया गया, ग्राम पंचायत स्तर पर कुणबी नोंदी चिपकाने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का भरोसा दिया गया और वंशवली समिति को कार्यालय व कार्यावधि बढ़ाने पर भी सहमति बन गई। हालांकि, दो बड़ी मांगें अब भी अधूरी हैं। इनमें पहली है मराठा-कुणबी एक का सरकारी आदेश जारी करना और दूसरी है सगे-सोयरे प्रमाणपत्र की जांच प्रक्रिया को अंतिम रूप देना। सरकार ने इन पर केवल यह कहा कि प्रक्रिया जारी है और जल्द निर्णय होगा। जरांगे ने अपने समर्थकों के बीच इसे जीत बताया और कहा कि आंदोलन ने अपना मकसद पूरा किया है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक सरकार मराठा-कुणबी एक का जीआर जारी नहीं करती, तब तक आंदोलन पूरी तरह खत्म नहीं माना जाएगा। उन्होंने सरकार को इसके लिए दो महीने का अल्टीमेटम भी दिया। उनका कहना था कि अगर जीआर जारी हो जाता है तो वे उसी रात मुंबई छोड़ देंगे। यह बयान एक ओर आंदोलनकारियों के लिए राहत भरा था तो दूसरी ओर सरकार के लिए एक चेतावनी भी थी। इस आंदोलन के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने आदेश दिया था कि आज़ाद मैदान को खाली किया जाए और सामान्य स्थिति बहाल की जाए।

पुलिस जब इसे लागू कराने पहुंची तो समर्थकों और पुलिस में बहस हुई, लेकिन जरांगे ने अपने अनुयायियों से अपील की कि वे किसी तरह की हिंसा या अव्यवस्था न करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आंदोलन जनता के लिए है और आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उन्हें जबरन हटाया गया या गिरफ्तार किया गया तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इस संतुलित रुख ने एक तरफ आंदोलन की शांति बनाए रखी और दूसरी तरफ सरकार पर दबाव भी बनाया। मंत्रियों के समूह ने जरांगे को लिखित में आश्वासन दिया और वचन दिया कि आंदोलनकारियों पर दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा तथा गजट्स को कानूनी मान्यता दिलाई जाएगी। कैबिनेट मंत्री शिवेंद्र राजे भोंसले ने तो यहां तक कहा कि सतारा गजट को लागू करना उनका व्यक्तिगत वचन है। यह गजट मराठा को कुणबी शब्द से जोड़ता है, जिससे आरक्षण की मांग को मजबूती मिलती है। इसी तरह राधाकृष्ण विखे पाटिल ने भी कहा कि हैदराबाद गजट को लागू करने की दिशा में तुरंत कदम उठाए जाएंगे। मराठा आंदोलन का यह अध्याय केवल आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र की राजनीति और समाज की जटिलताओं का भी आईना है। यह आंदोलन दिखाता है कि समाज का बड़ा वर्ग अपने अधिकारों के लिए किस हद तक जाने को तैयार है। हजारों लोग मुंबई में इकट्ठा हुए, सैकड़ों ने उपवास किया और कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया भी। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट किया कि जब तक आरक्षण के मुद्दे पर ठोस और स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक ऐसी परिस्थितियाँ बार-बार पैदा होती रहेंगी। अब सवाल यह है कि सरकार अगले दो महीनों में क्या करती है। क्या वह मराठा-कुणबी एक का जीआर जारी कर पाती है या फिर यह मुद्दा दोबारा सड़कों पर उतरता है? राजनीतिक दलों के लिए भी यह परीक्षा की घड़ी है क्योंकि मराठा समाज महाराष्ट्र की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। सरकार की ओर से दी गई आर्थिक सहायता और नौकरियों का वादा अगर समय पर पूरा नहीं हुआ तो भरोसे का संकट गहरा सकता है। वहीं, अगर सरकार ने तेजी से ठोस कदम उठाए तो यह राज्य की राजनीति में स्थिरता ला सकता है। इस आंदोलन का एक और बड़ा पहलू यह रहा कि जरांगे पाटिल ने हमेशा शांति और अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि किसी भी हाल में जनता को कष्ट न पहुंचे। उनकी यह अपील आंदोलन को वैधता और नैतिक शक्ति देती है। अनशन के दौरान उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा था, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सरकार को झुकना पड़ा। यह बात मराठा समाज की भावनाओं को गहराई से छूती है और आने वाले समय में जरांगे पाटिल की लोकप्रियता और राजनीतिक महत्व को और बढ़ा सकती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि मनोज जरांगे का अनशन और सरकार का झुकाव महाराष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। छह मांगों का स्वीकार होना आंदोलन की सफलता है लेकिन दो मांगों के अधूरे रहने से संघर्ष की संभावना भी बनी हुई है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को अनदेखा नहीं किया जा सकता। जब समाज का एक बड़ा तबका संगठित होकर अपनी बात रखता है तो सरकार को सुनना ही पड़ता है। अब आने वाला समय ही बताएगा कि सरकार अपने वादों पर कितनी गंभीरता से अमल करती है और मराठा समाज की आकांक्षाओं को कितना न्याय मिलता है।

**महेन्द्र तिवारी**

# डिजिटल तकनीक नए युग का मजबूत घटक होने के बावजूद, देश मे साइबर अपराध में भारी वृद्धि

डिजिटल तकनीक के साझा भविष्य को हम अनदेखा नही कर सकते है। नई प्रोधोगिकी से डिजिटल लाभकारी ही नही, सुगम बन चुका है।देश विदेश की कनेक्टिविटी में डिजिटल तकनीक का भरापूरा योगदान है। इक्कीवसी सदी के भारत की बढ़ती प्रगति और विकास की रफ्तार के लिए डिजिटल तकनीक एक साये की तरह काम कर रहा है।नए भारत की नींव भी डिजिटल के बढ़ते चलन की अहम कड़ीमानी जा रही है।डिजिटल तकनीक से दुनिया की दूरिया कम हो गई है।दरअसल, भारत की नई सोच और विकसित भारत की कहानी गढ़ी जा रही है। सुबह उठकर व्यक्ति डिजिटल के माध्यम से ऑफिस में बैठे बैठे कई कार्य पूर्ण कर देता है।ऑफिस का कार्य हो या किसी के लेनदेन की प्रतिभूतियो के निपटारे में डिजिटल का अहम रोल है।देश मे तेजी से बढ़ते साइबर अपराध को नजर अंदाज नही कर सकते है।विज्ञान नए अविष्कार और नई तकनीक से दुनिया को जोड़ रही है,वही ठगों और धोखाधड़ी करने वाले ठग भी भी देश मे बड़ी तेजी से बढ़ रहे है। साइबर अपराध में वृद्धि दर्ज की गई है।भारत के आनलाइन प्लेटफॉर्म में कई गुना वृद्धि हुई है। इन अपराधों के बाद भी आनलाइन प्लेटफॉर्म के अभाव में लोगो के कार्यो को सरल और फास्ट नही निपटाया जा सकता है।मोबाइल,इंटरनेट का फैलाव छोटे छोटे गांवो में ट्रांजेक्शन को लेकर युवा और वृद्धजनों के हाथों का हथियार बनता जा रहा है।

गांवो में गूगलपे,पेटीएम,भीम ऐप जैसे तकनीकी संशाधनों से कार्य सरल हो गया है।पांच और दस रुपए का ट्रांजेक्शन गूगल पे से किया जा रहा है।वर्तमान में जीवन की आवश्यकता बन गई है डिजिटल तकनीक। इसके विपरीत सेंघमारी करने वाले की भरमार है।भारत में साइबर ठगों ने बहुत बड़ा झाल बिछा रखा है। देश में साइबर अपराध की बाढ़ सी आ गई है।साइबर ठगों को पकड़ने के लिए साइबर विशेषज्ञ की भूमिका सराहनीय रही है।कदम कदम पर साइबर अपराधियो से बचने के लिए सरकार की तरफ से निर्देष दिये जा रहे है।फिर लोग नजरअंदाज कर देते है।अपराधी अधिकतर अपराध में सफल भी हो जाते है। साइबर अपराधों के लिए राज्य और केंद्र सरकारे सक्रिय है।केंद्र अवैध धंधा करने वालो के पीछे लगी हई है।पर फिर भी देश मे बढ़ते साइबर अपराध पर पूर्णतया अंकुश लगाने में लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है। भारत ही दुनिया के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहाहै।

डिजिटल अपराध से सरकारे की सक्रियता सराहनीय है।लोगो की गाढ़ी कमाई पर सेंघमारी करने वाले ठगों से पीछा छुड़ाने के लिए खाताधारकों के लिए बचने के उपाय और ओटीपी शेयर नही करने की चेतावनी सरकार दे रही है।इसके बाद भी लोग चेतावनी को हल्के लोग नजरअंदाज कर रहे है। संसद में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सांसदो ने मुद्दा उठाया।लेकिन साइबर अपराधियों की हाथ सफाई के पीछे और चालाकी एक कदम आगे है। कई तरह के देश मे फ्रॉड हो रहे है। लोगो की मेहनत की कमाई को अपराधियो द्वारा आंख झपकते ही धोखाधड़ी की भेंट चढ़ जाते है।नेशनल साइबर रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म एनसीआरपी के अनुसार देश मे साइबर अपराध में 900 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।देश मे खाताधारकों की भूल के कारण ठगे जाते है।अनजान नम्बर से फोन को रिसीव करते समय ध्यान नही दे पाते ,जिसके कारण खाताधारकों के साथ ठगी हो जाती है।लेकिन गलतियों के बाद भी लोग किसी पहलू तक नही पहुंच पाते है।एनसीआरपी में दर्ज शिकायतों में 65 प्रतिशत केस फ्रॉड के थे। साइबर फ्रॉड की समस्या इंटरनेशनल हो गई है।ठगों की जिंदगी अपराध जगत से जुड़ी हुई बन गई है।उनका कार्य ही कम्प्यूटर पर बैठकर सारे दिन नई ठगी की तरकीबो को सीखना होता है। ग्लोबल ऐंटी स्कैम अलायंस की 2025 की रिपोर्ट के अनुसारपिछले एक वर्ष में साइबर ठगों ने एक ट्रिलियन डॉलर यानी 87 हजार अरब की राशि हड़प कर ली।कई देशों की 3 प्रतिशत की जीडीपी का नुकसान हुआ है। साइबर अपराध विश्व स्तर की समस्या बन चुका है। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेटर सेंटर गृहमंत्रालय के अधीन संस्था के अनुसार लोगो का 1.2 करोड़ का नुकसान हो सकता है।देश की जीडीपी का 1 प्रतिशत से अधिक का है।यह भारी समस्या बनी हुई है। एनसीआरपी पर 10.30 लाख लोगो की शिकायत दर्ज हुई है।94 प्रतिशत लोगो ने शिकायत दर्ज की है।पुलिस अपराधियों का सुराग नहीं मिलना और अपर्याप्त सबूत के कारण परेशानी बढ़ती जा रही है।हमे सतर्क रहना होगा।

**कांतिलाल मांडोत**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### तालाब में मिला अधेड़ का शव

**तालगांव, सीतापुर।** तालगांव कोतवाली क्षेत्र के कस्बा तालगांव मे स्थित तालाब (झील) से निकली ड्रेन मे एक 40 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में डूब कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। उधर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। दरअसल तालगांव स्थित तालाब (झील) में समिति द्वारा मछली पालन का कार्य किया जाता है। बीती मंगलवार रात मृतक लल्लन पुत्र नारायण निवासी कस्बा तालगांव तालाब की रखवाली कर रहा था। सुबह खेत गए ग्रामीणों ने युवक का शव ड्रेन में देखा जिसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों के मुताबिक तालाब (झील) की रखवाली के लिए समिति द्वारा आधा दर्जन से अधिक लोगों को तालाब में पल रही मछलियों की रखवाली के लिए मजदूरी पर रखा है। उसी मे से मृतक युवक लल्लन भी था। मृतक युवक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी दीपक कुमार राय ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### जहांगीराबाद के आसिफ ने मॉडलिंग शो में जीता अवॉर्ड, बढ़ाया क्षेत्र का मान

**बिसवां सीतापुर।** जहांगीराबाद के निवासी आसिफ अशरफी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाकर लोगों के बीच लगातार चर्चा में बने रहते हैं। कभी गरीबों की मददगार के रूप में तो कभी एक समाजसेवी के रूप में दिखाई देने वाले आसिफ ने अब मॉडलिंग की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही में लखनऊ के गोमतीनगर स्थित सिनेपोलिस मॉल में आयोजित रनवे फैशन वीक में भाग लेकर आसिफ ने अवॉर्ड जीतकर न केवल अपनी प्रतिभा साबित की, बल्कि अपने क्षेत्र का नाम भी रोशन किया। मॉडलिंग शो में सफलता मिलने के बाद क्षेत्रीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। बातचीत में आसिफ ने बताया कि– "मेरा मकसद हमेशा अलग-अलग वर्गों के बीच रहकर उनकी सोच और अनुभव से जुड़ना है। इसी सोच ने मुझे इस शो तक पहुँचाया और आज यह अवॉर्ड मेरे क्षेत्र की जनता को समर्पित है।"आसिफ की यह उपलब्धि जहांगीराबाद ही नहीं, पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय बन गई है।

### सर्वेश्वरी समूह कुष्ठ सेवा आश्रम द्वारा 130 लोगों को निशुल्क बांटी गई मच्छरदानी

**महराजगंज/रायबरेली।** चंदापुर राजमहल मे श्री सर्वेश्वरी समूह कुष्ठ सेवा आश्रम शाखा मुंशीगंज द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान बारिश के मौसम में लोगों को मच्छरों से बचाव के लिए करीब 130 वृद्ध दिव्यांग एवं निर्धन ग्रामीणों में निशुल्क मच्छरदानी व फलदार पौधे बांटे गए। आपको बता दे कि,बुधवार को राजमहल चंदापुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अघोरेश्वर महाप्रभु गुरुपद संभव राम के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि चंदापुर स्टेट के छोटे राजा हर्षेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के उपरांत राजमहल के बगल बनी नवीन सीएचसी परिसर में पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में बृद्ध लोगों को रोगो से बचाव के लिए समूह द्वारा मच्छरदानी व पर्यावरण के बचाव के लिए फलदार पौधो का वितरण किया गया है। श्री सर्वेश्वरी समूह का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे पौधों को रोपित कर उनका संरक्षण करें। भूत प्रेत एवं नशाखोरी से दूर रहें। बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित कर विद्यालय भेजें। इस मौके पर रवीन्द्र प्रताप सिंह, अभिषेक विक्रम सिंह, उपेंद्र सिंह सोनू राजा, छोटी रानी ममता सिंह, शिवरतन सिंह, रमेश सिंह, रणविजय सिंह, अमित सिंह, महेंद्र बहादुर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, आर के यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# जिला संगठन का संघर्ष-डीआईओएस को प्रेषित ज्ञापन की मांगों पर कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में सिटिजन चार्टर लागू किए जाने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने की शुरुआत। आप अवगत हैं कि जिला संगठन द्वारा गत 20 अगस्त, 2025 को शिक्षा भवन परिसर में धरना दिया गया था और धरने के समापन पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राकेश कुमार को जनपदीय समस्याओं का ज्ञापन प्रेषित किया गया था। ज्ञापन प्राप्त करने के पश्चात जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राकेश कुमार ने प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के साथ भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश तथा सिटिजन चार्टर को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने तथा कार्यालय एवं विद्यालय स्तर पर लम्बित अवशेषों की अनुमन्यता एवं भुगतान के लिए दो सप्ताह में प्रभावी कार्यवाही किए जाने के लिए आश्वस्त किया था। जिला विद्यालय निरीक्षक के अस्वस्थ होने के बाद भी ज्ञापन की मांगों पर कार्यवाही की जा रही है तथा मांगों के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रधानाचार्यों/प्रबंधकों को निर्देश भी जारी किए जा रहे हैं। प्रबंधकों/प्रधानाचार्यो को जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राकेश कुमार द्वारा दिए गए निर्देश-

1- कार्यालय स्तर तथा विद्यालय स्तर पर लंबित अवशेष प्रकरणों की सूचना एवं प्रकरण उपलब्ध कराने पर ही संबंधित विद्यालय का वेतन पारित होगा।

2- विद्यालय स्तर पर सिटीजन चार्टर लागू करने तथा विद्यालय के मुख्य द्वार पर संबंधित अंश को पेंट कराए जाने के साथ ही सिटीजन चार्टर के अनुसार प्रकरणों के निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए गए।

3- विद्यालय स्तर पर लंबित चयन वेतनमान,प्रोन्नत वेतनमान जीपीएफ पदोन्नति संबंधी प्रकरणों को एक सप्ताह के अंदर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश।

4- पुरानी पेंशन से आच्छादित किए गए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के जीपीएफ खातों का आवंटन से संबंधित समस्त पत्रजात/प्रकरण जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश।

5- जिला संगठन की मांग पर जीपीएफ लेजर चेकिंग एवं लेखा पर्ची शिक्षक शिक्षिकाओं को उपलब्ध कराने के लिए विद्यालयवार तिथियां आवंटित की गई।

6- एनपीएस शिक्षकों के खातों को अपडेट करने के लिए की जा रही कार्यवाही। मासिक कटौती शीघ्र हो जाएगी अपडेट। प्रदेशीय नेतृत्व के प्रयासों से ब्याज की धनराशि शासन से अवमुक्त। शीघ्र ही सभी खाते हो जाएंगे अपडेट। सेवानिवृत्त एनपीएस शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के खातों में ब्याज की धनराशि जमा कराकर उनके सभी देयकों का कराया जाएगा भुगतान।

# गुडंब्बा विस्फोट के बाद पुलिस हाई अलर्ट, नगराम में पटाखा व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

**●......एसीपी मोहनलालगंज ने नगराम पुलिस संग लाइसेंसधारियों के घरों-प्रतिष्ठानों पर छापेमारी,नियम तोड़ने वालों को चेतावनी ।**

स्वतंत्र प्रभात

**नगराम।** लखनऊ ,गुडंब्बा के बेहटा में बीते रविवार को हुए भीषण पटाखा विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया था। इस दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद प्रशासन अलर्ट हो गया है और अवैध पटाखा भंडारण व निर्माण पर शिकंजा कसने के लिए सघन अभियान शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में बुधवार को मोहनलालगंज एसीपी रजनीश वर्मा ने नगराम एसओ विवेक चौधरी व पुलिस टीम के साथ नगराम क्षेत्र में पटाखा लाइसेंसधारियों के घरों और प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई निर्धारित स्थानों के अलावा अन्य जगहों पर पटाखों के निर्माण और भंडारण को रोकने के लिए की गई।एसीपी ने तलाशी अभियान के दौरान सभी लाइसेंसधारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि कोई भी पटाखा व्यवसाई नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जानकारी के मुताबिक नगराम इलाके में लगभग सात पटाखा लाइसेंसधारी हैं। यहां से न केवल नगराम व निगोहां,मोहनलालगंज क्षेत्र, बल्कि आसपास के गांवों के अलावा बाराबंकी व रायबरेली जैसे अन्य जिलों तक भी पटाखों की सप्लाई की जाती है। ऐसे में पुलिस ने कड़े रुख अपनाते हुए सभी पर निगरानी बढ़ा दी है।एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि नगराम कस्बा सहित अन्य क्षेत्रों में लाइसेंसधारियों के घरों और प्रतिष्ठानों पर तलाशी अभियान चलाया गया है। उन्होंने साफ कहा कि निर्धारित स्थानों को छोड़कर कहीं भी पटाखों का निर्माण या भंडारण किया गया, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने और किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए चलाया जा रहा है।

# संदिग्ध परिस्थितियों में झील किनारे मिला ट्रैक्टर चालक का शव, हत्या की आशंका

**●..........ग्रामीणों में भारी आक्रोश।**

स्वतंत्र प्रभात

**लखनऊ / मोहनलालगंज ।** निगोहां थाना क्षेत्र के रामदासपुर गांव में मंगलवार देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब झील किनारे पानी में औंधे मुंह एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान लालताखेड़ा, रामदासपुर निवासी 21 वर्षीय अमृतलाल पुत्र गुरु प्रसाद के रूप में हुई है। मृतक के नाक से खून निकल रहा था। घटना की सूचना पर पहुंचे परिवारीजनों ने हत्या की आशंका जताई और शव को बाहर निकाला। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने तहरीर देकर नन्दौली गांव के एक ही परिवार के चार भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया है। पिता गुरु प्रसाद ने बताया कि अमृतलाल मंगलवार दोपहर खेत गया हुआ था, वहां से वह पास की झील पर जाल लेकर मछली पकड़ने गया था। देर शाम तक वापस न लौटने पर जब परिजन खोजबीन करते हुए झील किनारे पहुंचे तो उसका शव औंधे मुंह पड़ा मिला।

मृतक का भाई धर्मेंद्र ने बताया कि दो दिन पहले ही नन्दौली गांव के कहार बिरादरी के चार भाइयों से मछली पकड़ने को लेकर कहासुनी हुई थी। उसी दौरान आरोपियों ने धमकी दी थी कि अगर मछली पकड़ने आए तो अंजाम बुरा होगा। परिजनों का कहना है कि उन्हीं चार भाइयों ने उसकी हत्या कर शव को झील किनारे फेंक दिया। अमृतलाल अविवाहित था और चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। बाकी भाई धर्मेंद्र, महेंद्र और अरविंद मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। मां राजकुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है।20 साल पहले चाचा की भी मिली थी लाश इसी झील में पिता गुरु प्रसाद ने बताया कि करीब 20 साल पहले उनके भाई भगौती की भी इसी झील में लाश मिली थी। उस समय भी उन्होंने रामदासपुर गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। अब उसी जगह उनके बेटे की लाश मिलने से पुरानी यादें ताजा हो गई और परिजनों का दर्द दोगुना हो गया। थाना प्रभारी निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

# ग्राम पंचायत अधिकारी ने जीवित महिला को घोषित कर दिया मृतक रोकीं पेंशन

स्वतंत्र प्रभात

**महराजगंज/रायबरेली।** वृद्धावस्था पेंशन धारक को कागजों में मृत दिखाकर पेंशन बंद करने पर 68 वर्षीय लाभार्थी ने उपजिलाधिकारी से शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। मामले में उपजिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार को जांच के निर्देश दिए हैं। बुधवार को तहसील क्षेत्र के शिवगढ़ ब्लाक के कमालपुर आवांडीह मजरे बरियारपुर गांव निवासी 68 वर्षीय बुजुर्ग किशुन दुलारी ने उपजिलाधिकारी को शिकायती देते हुए बताया कि उसकी माली हालत ठीक नहीं है। पिछले करीब सात वर्ष से उसे वृद्धा पेंशन योजना का लाभ मिल रहा था। जिसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान हुए सत्यापन में मृत दिखाकर उसकी पेंशन बंद कर दी गई। कई महीनों से उसे पेंशन न मिली तो उसने ब्लाक कार्यालय जाकर ग्राम पंचायत सचिव से शिकायत की। आरोप यह भी है कि पंचायत सचिव सुमित कुमार वर्मा द्वारा उसे भटकाते हुए प्रताड़ित भी किया गया। थक-हारकर जब उसके बेटे सुरेश कुमार ने आनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण की जांच की तो उसकी माता किशुन दुलारी के मृतक होने की सत्यापन रिपोर्ट अंकित मिली। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव सुमित कुमार वर्मा द्वारा ग्राम पंचायत के अपने चहेते लोगों से जानकारी कर जिंदा महिला को मृत घोषित कर लिखा पढ़ी में उसकी रिपोर्ट लगा दी, जिससे ग्राम सभा के राजनीति करने वाले कुछ तथा कथित लोगों द्वारा यह जानकारी दी गई की किशन दुलारी मृत है और उनके बुढ़ापे का सहारा वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ न मिल सके। जानकारी होते ही समाज कल्याण विभाग से बात करके किशुन दुलारी की पेंशन फिर से शुरू करा दी गई है। जल्द ही पेंशन की रकम उनके खाते में आ जाएगी। मामले में उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है नायब तहसीलदार को जांच कर कार्रवाई व पुनः पेंशन शुरू कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं डीपीआरओ सौम्यशील सिंह का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से मामले की जानकारी हुई है संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

### पंजाब में जल आपदा से जूझ रहे लोगों के लिए रमना फॉर्म गुरुद्वारा कमेटी द्वारा राहत सामग्री की गई एकत्रित

**लहरपुर ।** पंजाब में जल आपदा से जूझ रहे लोगों के लिए रमना फॉर्म गुरुद्वारा कमेटी द्वारा पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु राहत सामग्री एकत्रित की जा रही है इसी श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद के सीतापुर प्रभारी सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी जी के द्वारा 50 पीड़ितों के लिए कपड़े व राहत सामग्री गुरुद्वारा रमना फॉर्म कमेटी को दी गयी है जिससे वहां राहत सामग्री बाढ़ से पीड़ित पंजाब के लोगों तक पहुंच सके। हसीन अंसारी ने बताया की हम सब लोगों को सिख समुदाय के लोगों से एक सीख लेनी चाहिए कि वह किस तरह से भूखे को खाना खिलाना और आपदाओं में लोगों की मदद के लिए गुरुद्वारा कमेटी सबसे आगे जाकर पहले नंबर पर बाढ़-चढकर हिस्सा लेती है उन्होंने इसमें लगे हुए तरनजीत सिंह बलविंदर सिंह देवेंद्र सिंह उर्फ बब्बू भैया की पूरी टीम और सभी लोगों की प्रशंसा की तथा सकुशल यात्रा के लिए प्रार्थना कर रवाना किया।

# गुण्डा एक्ट के तहत मोहनलालगंज पुलिस ने छह माह के लिए किया जिला बदर

स्वतंत्र प्रभात

**मोहनलालगंज।** लखनऊ,राजधानी लखनऊ में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, लखनऊ ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत आदेश पारित करते हुए मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गौरा निवासी गौरव सिंह उर्फ सुखदीप सिंह पुत्र राजकिशोर सिंह उर्फ बादाम सिंह को छह माह की अवधि के लिए लखनऊ जनपद से निष्काषित कर दिया है।पुलिस के अनुसार, अभियुक्त का आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा इतिहास रहा है और इसके चलते क्षेत्र में भय और असुरक्षा का वातावरण बना रहता था। इसी कारण प्रशासन ने उसे गुण्डा एक्ट के तहत चिन्हित कर जनपद की सीमाओं से बाहर कर दिया। मोहनलालगंज पुलिस ने आदेश का अनुपालन करते हुए बुधवार को अभियुक्त के पैतृक गांव गौरा में डुगडुगी पिटवाकर सार्वजनिक उद्घोषणा कर दी। गांव और आसपास के लोगों को साफ-साफ बता दिया गया कि -अभियुक्त गौरव सिंह उर्फ सुखदीप सिंह को लखनऊ जनपद की सीमाओं से छह माह के लिए निष्कासित किया गया है। यदि वह इस अवधि में जनपद लखनऊ की सीमा में प्रवेश करता है तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें।इस कार्रवाई का उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखना है।मोहनलालगंज पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि जिला बदर किया गया अभियुक्त लखनऊ की सीमा में दिखाई दे तो तत्काल नजदीकी थाने या हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

# डायट खैराबाद में तीन दिवसीय उर्दू शिक्षक क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात

**सीतापुर।** दिनांक 01 से 03 सितम्बर 2025 तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर में आवश्यकता आधारित तीन दिवसीय उर्दू शिक्षक क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।द्य प्रशिक्षण का संचालन नोडल/प्रवक्ता डॉ. शाह खालिद ने किया। उन्होंने मॉड्यूल का परिचय कराते हुए शिक्षकों के साथ संवाद सत्र आयोजित किया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर खुश्तर रहमान खां, मोहम्मद आरिफ़ और शगुफ्ता इकबाल ने विशेष योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर शिक्षण विधियों, उच्चारण की शुद्धता, सुनने-बोलने-पढ़ने-लिखने की सरल पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। मास्टर ट्रेनर खुश्तर रहमान खां ने शिक्षण की बारीकियों पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई, वहीं डॉ. शाह खालिद ने उर्दू भाषा के इतिहास और अन्य विषयों के प्रभावी शिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। मोहम्मद आरिफ़ और शगुफ्ता इकबाल ने गतिविधियों व खेल-खेल में बच्चों को सिखाने की नई तकनीकें साझा कीं। ट्रेनी अध्यापक खलीक अहमद और अस्मत जहाँ ने भी अपने अनुभव प्रस्तुत किए। इस प्रशिक्षण में प्रत्येक विकासखंड से दो-दो शिक्षक शामिल हुए। सभी प्रतिभागी शिक्षकों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताया और आश्वस्त किया कि वे विद्यालयों में सीखी गई नई विधियों का प्रयोग कर शिक्षण कार्य को और बेहतर बनाएंगे।

# खस्ताहाल सड़कों में चलना मुश्किल, गढ्ढों में फंसकर पलटते वाहन

स्वतंत्र प्रभात

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के बेहटा चौराहा से मुबारकपुर तक की सड़क खस्ताहाल होकर लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों ने आम राहगीरों का चलना फिरना मुश्किल कर दिया है। हल्की बरसात होते ही इनमें पानी भर जाता है और ये गड्ढे राहगीरों के लिए जाल बन जाते हैं। मंगलवार को इसकी भयावह तस्वीर सामने आई जब दो घंटे के भीतर निराला नगर मोहल्ले में महिंद्रा फाइनेंस ऑफिस के सामने बने एक बड़े गड्ढे में एक के बाद एक पांच ई-रिक्शा पलट गए। इन हादसों में कई लोग घायल हुए, वहीं वाहन क्षतिग्रस्त हुए तो उनमें लदे सामान को भी भारी नुकसान पहुंचा। वाजपेईपुर मजरे सोंडॉसी निवासी पवन का ई-रिक्शा सामान समेत पलट गया, गनीमत रही कि उन्हें गंभीर चोट नहीं आई। वहीं सब्जी व्यापारी बबलू का रिक्शा पलटने से उनका पूरा माल पानी में बिखर गया और उन्हें भी गंभीर चोटें आई। फल विक्रेता सर्वेश का केले से लदा ई-रिक्शा तो इस कदर पलटा कि उसके पहिए आसमान की ओर खड़े हो गए। मोहल्ले के लोगों की मदद से रिक्शा चालकों को गड्ढे से बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन गड्ढों से रोजाना एक दर्जन से अधिक लोग चोटिल हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालक और रिक्शा चालकों के लिए यह सड़क अब रोजाना की चुनौती बन गई है। कानपुर रोड पर सूदनखेड़ा, निराला नगर, पूरे मौहारी, बृजेंद्र नगर, उगाभाद से मुबारकपुर तक सड़क की हालत इतनी खराब है कि किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। मोहल्ला निवासी हरिओम सिंह, अधिवक्ता पंकज मिश्रा, अभिषेक सिंह, राहुल, सोनू सिंह, रोहित पाल और गुरु मिश्रा सहित अन्य लोगों ने पीडब्ल्यूडी विभाग से तत्काल सड़क की मरम्मत की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही इस खतरनाक सड़क को दुरुस्त नहीं किया गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

# बेजेपी नेता ने पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता

**●----बरसात के कारण गिर गए थे दो परिवारों के कच्चे मकान**

स्वतंत्र प्रभात

**निगोहां।** मोहनलालगंज के बैरिसालपुर गांव में लगातार हो रही बारिश ने गरीब परिवार पर कहर ढहा दिया। बीते सोमवार देर रात दिलावर और उनके छोटे भाई अनवर का कच्चा मकान अचानक ढह गया। हादसे में दोनों भाइयों के परिवार बाल-बाल बच गए, लेकिन पूरा मकान और गृहस्थी मलबे में दबकर नष्ट हो गई। वहीं घटना की जानकारी पाकर बुधवार को बीजेपी के मंडल महामंत्री और युवा समाज सेवी नवीन मिश्रा ने बैरीसालपुर गाँव मैं जाकर पीड़ितों से मिलकर आर्थिक मदद की। इस प्रकार के सहयोग से स्पष्ट होता है कि वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए तत्पर रहते हैं। स्थानीय स्तर पर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। सामाजिक सेवा के माध्यम से वे अपने कर्तब्य के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, यह पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करती है। इससे उनके जीवन को पटरी पर लाने में मदद मिलती है। बता दें कि दिलावर पेंटिंग का काम करता है, जबकि अनवर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। दोनों भाई एक ही मकान में अलग-अलग कोठरियों में रहते थे। मकान के गिरने के बाद दोनों परिवार बेघर होकर मोहल्ले में शरण लेने को मजबूर हैं। वहीं इससे पूर्व घटना की जानकारी पर लेखपाल ने मौके का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों को कालोनी दिलाए जाने का आश्वासन दिया था।

# कनकहा में गूंजे किसानों के मुद्दे, संगठन को मिली मजबूती

**●.....प्रदेश सचिव अनमोल तिवारी के नेतृत्व में बैठक, किसानों ने एकजुट होकर ली सदस्यता ।**

स्वतंत्र प्रभात

**मोहनलालगंज।** मोहनलालगंज के कनकहा ग्राम सभा में जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश सचिव अनमोल तिवारी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। बैठक में ग्रामीणों और किसानों की भारी भागीदारी देखने को मिली। इस दौरान दर्जनभर से अधिक लोगों ने भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में पूर्व प्रधान मंसाराम रावत, हरिओम सिंह, उमेश यादव, दिनेश गौतम, रामचरन, मोहित गुप्ता, सूरज गौतम, मनोज सैनी, कमलेश यादव, बृजेश, आशीष समेत कई लोग शामिल रहे।प्रदेश सचिव अनमोल तिवारी के पहुंचने पर किसानों और ग्रामीणों ने फूलमालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया।

बैठक के दौरान आवारा पशुओं से होने वाली फसल बर्बादी, समय पर खाद उपलब्ध न होने, तथा अन्य स्थानीय किसान समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अनमोल तिवारी ने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि यूनियन हमेशा किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए तत्पर रहेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खाद की समस्या सबसे गंभीर है। पूरे क्षेत्र का किसान खाद के अभाव में परेशान है। इस समस्या को दूर करने के लिए यूनियन लगातार खाद वितरण केंद्रों का दौरा कर रही है ताकि समय पर किसानों को खाद उपलब्ध कराया जा सके।उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक का उद्देश्य केवल आंदोलन करना नहीं बल्कि किसानों की समस्याओं का समाधान खोजना भी है।

संगठन हर छोटे-बड़े मुद्दे पर किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री समर यादव, पिंटू, रामभरोसे सहित बड़ी संख्या में किसान व ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक के अंत में संगठन को मजबूत करने और किसानों के हितों की रक्षा के लिए सभी ने एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

# संक्षिप्त खबरें

## ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश

**शहडोल** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा करते हुए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए। की पेंशन, नया पंजीयन कराने वाले संबल योजना के हितग्राहियों तथा राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, अन्यथा पेंशन हितग्राहियों की पेंशन बंद हो सकती है। आपने कहा कि जिन पेंशनरों की मृत्यु हो चुकी है उनके नाम डिलीट कर दिए जाएं।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते, श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## एडीएम ने कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा, वसूली में तेजी लाने के निर्देश

**स्टाम्प,व्यापार, परिवहन की प्रगति ठीक ना होने पर सुधार लाने के निर्देश**

**रायबरेली,** अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह व अपर जिलाधिकारी (प्र) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली संबंधी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्युत, बाट माप, परिवहन, आबकारी, वाणिज्य, नगर निकाय, सिंचाई, वन, व्यापार कर, खनन, मण्डी, स्टाम्प सहित विभिन्न विभागों की वसूली प्रगति की समीक्षा की गई। एडीएम (वित्त) ने कम प्रगति वाले विभागों व्यापार कर, स्टाम्प, परिवहन आदि को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें और समयबद्ध कार्यवाही पर विशेष ध्यान दें। बैठक में एडीएम ने कहा कि राजस्व वसूली लक्ष्य के सापेक्ष कराना सुनिश्चित करें। अतः अधिकारीगण लक्ष्य प्राप्ति के लिए ठोस कदम उठाएं और विभागीय समन्वय को मजबूत करें।

बैठक में उन्होंने ने कहा कि आईजीआरएस में आ रही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। शिकायतों का निस्तारण सतही स्तर पर ना किया जाए। शिकायतकर्ताओं का फिडबैक भी लिया जाए। साथ ही हर तहसील दिवस पर भी विभागीय अधिकारी कैम्प लगाकर शिकायतों का निस्तारण करें। बैठक में उप निदेशक कृषि विनोद कुमार,उप जिलाधिकारी (न्यायिक) अहमद फरीद खान,उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सचिन यादव, तहसीलों के उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## आगामी त्यौहार गणेश चतुर्थी एवं बारावफात के दृष्टिगत समस्त क्षेत्राधिकारीगण व थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ किया जा रहा पैदल गस्त

**पैदल गश्त के दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर आगामी त्यौहार को सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्वक मनाने हेतु गई अपील**

**भदोही।** अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में श्री शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा क्षेत्राधिकारी औराई व पुलिस बल के साथ सड़क किनारे अस्थाई ठेले/खोमचों व अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था तथा आगामी त्यौहार गणेश चतुर्थी एवं बारावफात को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत। पर्यवेक्षण में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने सर्किल के थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना/चौकी प्रभारियों व पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया जा रहा। पैदल गश्त/फ्लैग मार्च के दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गो, चौराहों व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से चेकिंग की जा रही है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों पर पैदल गस्त/फ्लैग मार्च कर आमजन से संवाद स्थापित कर आगामी त्यौहार को सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्वक मनाने हेतु अपील गई। एवं इसी क्रम में पैदल गस्त के दौरान शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा क्षेत्राधिकारी औराई सहित पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना औराई क्षेत्र अन्तर्गत कस्बा माधोसिंह में पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया। सड़क के किनारे अस्थाई ठेले/खोमचों व अवैध अतिक्रमण को हटवाकर अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

# टैरिफ से हमें मार रहा था भारत, ड्यूटी कम करने का कोई चांस ही नहीं, ट्रंप ने किया साफ

**● ट्रंप ने दावा किया कि चीन और ब्राज़ील की तरह भारत भी टैरिफ़ लगाकर अमेरिका को मार रहा है। स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन हमें टैरिफ से मारता है, भारत हमें टैरिफ से मारता है, ब्राज़ील हमें टैरिफ से मारता है। मैंने टैरिफ को उनसे बेहतर समझा है; मैंने टैरिफ को दुनिया के किसी भी इंसान से बेहतर समझा है। भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा टैरिफ वाला देश था, और आप जानते हैं कि उन्होंने मुझे अब भारत में कोई टैरिफ नहीं लगाने का प्रस्ताव दिया है।**

**स्वतंत्र प्रभात**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर व्यापार को लेकर भारत पर निशाना साधा है और उसे दुनिया का सबसे ज़्यादा टैरिफ़ वाला देश करार दिया है। साथ ही, उन्होंने अपना यह दावा भी दोहराया है कि नई दिल्ली ने टैरिफ़ पूरी तरह से खत्म करने की पेशकश की थी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनके सख़्त रुख़ के बिना यह कदम उठाना संभव नहीं होता। ट्रंप ने दावा किया कि चीन और ब्राज़ील की तरह भारत भी टैरिफ़ लगाकर अमेरिका को मार रहा है। स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन हमें टैरिफ से मारता है, भारत हमें टैरिफ से मारता है, ब्राज़ील हमें टैरिफ से मारता है। मैंने टैरिफ को उनसे बेहतर समझा है; मैंने टैरिफ को दुनिया के किसी भी इंसान से बेहतर समझा है। भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा टैरिफ वाला देश था, और आप जानते हैं कि उन्होंने मुझे अब भारत में कोई टैरिफ नहीं लगाने का प्रस्ताव दिया है।

ट्रंप ने दावा किया अगर मेरे पास टैरिफ नहीं होते, तो वे यह प्रस्ताव कभी नहीं देते। इसलिए टैरिफ तो लगाने ही होंगे। उन्होंने कहा कि टैरिफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका को जबरदस्त बातचीत की शक्ति प्रदान की है। रिपब्लिकन नेता, ने हाल के हफ्तों में कई मौकों पर "कोई टैरिफ नहीं" का दावा दोहराया है। सोशल मीडिया पर, उन्होंने भारत के साथ व्यापार को "पूरी तरह से एकतरफ़ा आपदा" बताया और दावा किया कि भारत "हमें भारी मात्रा में सामान बेचता है, उनका सबसे बड़ा 'ग्राहक', लेकिन हम उन्हें बहुत कम बेचते हैं। भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव तब से बढ़ गया है जब ट्रंप ने भारत पर 25' टैरिफ लगाया और फिर उसे दोगुना कर दिया - जिससे भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क 50' हो गया - नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर। भारत ने रूसी कच्चे तेल के सौदे को रोकने की ट्रंप की मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है और कहा है कि नई दिल्ली बाजार की गतिशीलता और अपने लोगों के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेता है।

भारत का कहना है कि व्यापार वार्ताएँ जारी हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा कि मतभेदों को दूर करने के लिए वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है और उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच नवंबर तक एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) हो जाएगा। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच समझौते के लिए बातचीत में व्यापार मामलों की तुलना में "कुछ हद तक" भू-राजनीतिक मुद्दे भी शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ज़ोर देकर कहा है कि भारत घरेलू प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। नई दिल्ली के अधिकारियों ने भी रूस से भारत के तेल आयात की ट्रम्प द्वारा बार-बार की गई आलोचना का विरोध किया है और तर्क दिया है कि यह ख़रीद बाज़ार की सोच पर आधारित है और इसका उद्देश्य अपने लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना है।

# बाबा रामदेव महाराज की दशमी पर आयोजित मेले में लाखों लोग हुए शामिल

**स्वतंत्र प्रभात**

**नई दिल्ली।** दौसा जिले के सिकंदरा के निहालपुरा स्थित भगवान विष्णु के अवतार बाबा रामदेव जी महाराज के मंदिर परिसर में बाबा की दशमी के अवसर पर आयोजित बाबा रामदेव मेले का विशाल आयोजन किया गया। जहां लाखों लोग मेले में आते हैं।मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री राजस्थान प्रेम चंद बैरवा,रमेश बिधूड़ी जी पूर्व सांसद मुख्य अतिथि रहे।इस दौरान समाज की प्रतिभाओं व भामाशाहों को भी सम्मानित किया।श्रद्धा और आस्था का प्रतीक यह मेला सामाजिक समरसता और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम है।कार्यक्रम के दौरान सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल जी,पूर्व मंत्री श्रीमती ममता भूपेश जी, पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा जी, शिवचरण मेहरा जी (अध्यक्ष बाबा रामदेव ट्रस्ट),भामाशाह डॉ. कल्याण सहाय बैरवा जी (सरपंच), श्री सुल्तान बैरवा जी (प्रधान पं.स. सिकंदरा), श्री रामनारायण खन्ना जी (भामाशाह बैरवा समाज), पूरन धवन वरिष्ठ समाजसेवी बैरवा समाज, श्री राधेश्याम जी (प्रदेशाध्यक्ष बैरवा महासभा हरियाणा), नरेश धवन जी, चंद्रपाल बैरवा (पूर्व महामंत्री बैरवा समाज दिल्ली प्रदेश), अशोक भीतलवाल जी, दिलीप देवतवाल जी सहित प्रमुख जन उपस्थित रहे। बाबा रामदेव महाराज लोगों के आस्था एवं श्रद्धा का केंद्र है इसका अंदाजा यह इसी से लगाया जा सकता है कि इतनी भारी भीड़ इस मेले में उपस्थित हुई कि उसे नियंत्रित करना भी मुश्किल हो रहा था। लोगों ने बाबा रामदेव महाराज के पति अपनी

आस्था एवं श्रद्धा व्यक्ति की तथा मेले का पूरा लुफ्त उठाया। मेला प्रबंधन समिति के तरफ से भी हर तरह की व्यवस्था की गई थी ताकि आंगन तुकों को किसी भी तरह की और सुविधा नहीं हो।

# तिनसुकिया में समन्वय शक्ति अभ्यास का सफल समापन

**स्वतंत्र प्रभात**

**असम धेमाजी-** 3 सितंबर दस दिवसीय संयुक्त नागरिक-सैन्य अभ्यास समन्वय शक्ति आज लाइपुली में संपन्न हुआ, जो ऊपरी असम में तैयारियों को मज़बूत करने और सहयोग को गहरा करने की एक अनूठी पहल का प्रतीक है। इस अभ्यास में सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन, राज्य पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों, उद्योग भागीदारों, शैक्षणिक संस्थानों, पूर्व सैनिकों, मीडिया और स्थानीय समुदायों ने एक अभूतपूर्व एकजुटता का प्रदर्शन किया।

20 अगस्त को शुरू हुआ समन्वय शक्ति अभ्यास लाइपुली, रूपई, डिगबोई और लेखापानी तक फैला था। मुख्य आकर्षणों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और केंद्रीय जल आयोग के साथ बाढ़ राहत अभ्यास, खुफिया एजेंसियों के साथ उग्रवाद-रोधी समीक्षा, सेना और नागरिक डॉक्टरों के साथ स्वास्थ्य सेवा तैयारियों पर चर्चा, और

स्कूलों, कॉलेजों और एनसीसी के माध्यम से युवाओं की सक्रिय भागीदारी शामिल थी।

सत्र पूर्व सैनिकों के कल्याण, बुनियादी ढाँचे और जीआरईएफ व पीडब्ल्यूडी के साथ संपर्क, तथा वृक्षारोपण, नदी तटों की सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर भी केंद्रित थे। ओआईएल, आईओसीएल, कोल इंडिया, असम पुलिस, एनडीआरएफ और सीआईएसएफ से जुड़े महत्वपूर्ण ऊर्जा प्रतिष्ठानों में आपातकालीन प्रतिक्रिया परिदृश्यों का अनुकरण करके तनाव के दौरान समन्वय, निर्णय लेने और संयुक्त प्रतिक्रिया की क्षमता का परीक्षण किया गया।

इस अभ्यास ने आपदा की तैयारी को प्रमाणित किया, संचार नेटवर्क को परिष्कृत किया, संस्थागत विश्वास का निर्माण किया और लोगों व एजेंसियों के बीच संबंधों को मजबूत किया। इसने इस बात पर ज़ोर दिया कि सुरक्षा सीमाओं से परे है और इसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पर्यावरण, बुनियादी ढाँचा और सामुदायिक विश्वास शामिल हैं। समन्वय शक्ति अभ्यास एक अंत नहीं, बल्कि सैन्य, नागरिक प्रशासन और समाज के बीच साझेदारी की एक सतत संस्कृति की शुरुआत का प्रतीक है - जो ऊपरी असम में सुरक्षा, विकास और राष्ट्रीय एकीकरण को मज़बूत करेगा।

# थाना सराय रोहिल्ला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अवैध हथियार कारखाने का किया भंडाफोड़

**स्वतंत्र प्रभात**

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली। उत्तरी जिला पुलिस के सराय रोहिल्ला थाने की पुलिस टीम को एक बड़ी कामयाबी मिली है। थाना पुलिस टीम ने अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए छह देसी पिस्तौल,12 बिना स्क्रू वाली देसी पिस्तौल और 250 से ज़्यादा पिस्तौलों का कच्चा माल बरामद किया गया। पुलिस टीम ने छापेमारी करके उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।जिला पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने बताया कि बीते 11/12 अगस्त की दरम्यानी रात को सराय रोहिल्ला, दिल्ली निवासी एक महिला की शिकायत पर थाना सराय रोहिल्ला बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। महिला ने आरोप लगाया कि एक लड़के ने उसके भाई शुभम उर्फ लाला पर उस समय गोली चलाई जब वे अपने घर की छत पर खड़े थे। गोलीबारी में इस्तेमाल की गई देसी पिस्तौल, मौके पर मौजूद एक पड़ोसी ने नाबालिग से छीन ली। हालाँकि,वाह नाबालिग मौके से भागने में कामयाब रहा।जांच के दौरान 12अगस्त को सराय रोहिल्ला, दिल्ली निवासी 16 वर्षीय एक नाबालिग अपराधी को थाना सराय रोहिल्ला की टीम ने गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान नाबालिग अपराधी ने बताया कि भगवान गणेश की मूर्ति खरीदने को लेकर शुभम से उसका झगड़ा हुआ था, जिसके कारण सीसीएल उसके घर गया और उस पर गोली चला दी। उसके पास से देसी पिस्तौल और एक ज़िंदा कारतूस बरामद किया गया। आगे की पूछताछ में, उसने खुलासा किया कि उसने लगभग दो महीने पहले अलीगढ़, उत्तर प्रदेश निवासी बंटी से देसी पिस्तौल खरीदी थी।अवैध हथियारों की आपूर्ति के पीछे की पूरी श्रृंखला का पता लगाने के लिए अनिल शर्मा एसीपी के पर्यवेक्षण और इंस्पेक्टर विकास राणा एसएचओ सराय रोहिल्ला के नेतृत्व में एसआई विजय मान,एसआई कुलदीप,अनुज,दीपक त्यागी,संदीप कुमार, संजीव,रामबाबू,अमित और कांस्टेबल रिंकू की एक टीम का गठन किया गया।

नाबालिग के खुलासे पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम अलीगढ़, उत्तर प्रदेश पहुँची और स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से, पुलिस टीम ने आरोपी विजय उर्फ बंटी के संभावित ठिकानों पर छापेमारी करके अलीगढ़, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया और उसके कब्जे से 5 खाली और 1जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस को खुलासे में उसने बताया कि उसने मथुरा, उत्तर प्रदेश निवासी बिजेंद्र नाम के व्यक्ति से अवैध हथियार और गोला-बारूद खरीदा था।

पुलिस टीम मथुरा, उत्तर प्रदेश पहुँची और उसके ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए अपने गुप्त सूत्रों को तैनात किया और विभिन्न स्थानों पर कई छापे भी मारे। अंततः, तकनीकी निगरानी की मदद से बिजेंद्र को मथुरा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया। उसका पुलिस रिमांड लिया गया और उसका मोबाइल फोन पुलिस के कब्जे में ले लिया गया, जिसमें 70 से अधिक अवैध आग्नेयास्त्रों के निर्माण से संबंधित एक वीडियो मिला। निरंतर पूछताछ के दौरान, उसने हनवीर नामक एक व्यक्ति के बारे में जानकारी दी, जो अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में एक कारखाना चला रहा था जहाँ अवैध आग्नेयास्त्रों का निर्माण किया जा रहा था।तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय क्षेत्र से एकत्रित जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को पुलिस टीम जट्टारी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के एक खेत में पहुँची, जहाँ दो कमरे बनाए गए थे और बाहर से बंद थे। टीम ने ताले तोड़े और पाया कि हनवीर नामक व्यक्ति द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध हथियारों का निर्माण किया जा रहा था। कारखाने से 6 देसी कट्टा, 12 देसी कट्टे बिना स्क्रू के, 250 से अधिक देसी कट्टों का कच्चा माल, 5 जिंदा कारतूस और मशीनरी/उपकरण बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी हनवीर उर्फ हन्नू खुलासा किया कि वह पिछले 15-20 वर्षों से अवैध हथियारों के निर्माण में संलिप्त है और वह अक्सर कारखाने का स्थान बदलता रहता था। अवैध हथियारों का वर्तमान कारखाना उसके द्वारा पिछले एक महीने से चलाया जा रहा था। उसने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न व्यक्तियों को 1200 से अधिक अवैध हथियार बेचे हैं।आगे की जाँच जारी है। आरोपियों की पिछली संलिप्तताओं का सत्यापन किया जा रहा है।

# बन्थरा के रहीम नगर पड़ियाना में राधा देवी सेवा संस्थान की ओर से भव्य मेले का हुआ आयोजन

**● मेले में निकला भव्य श्रीकृष्ण राम डोल**

**स्वतंत्र प्रभात**

**लखनऊ।** बन्थरा के रहीम नगर पड़ियाना में बुधवार को राधा देवी सेवा संस्थान की ओर से भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में श्रीकृष्ण राम डोल भी निकला गया यह मेला काफी ऐतिहासिक मेलों में से है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ व पावन अवसर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के थानों व गांव के मंदिरों में सजाई गयी, झांकियों का समापन श्रीकृष्ण की जनमाष्टमी के बाद होने वाली षष्ठी पर्व बीत जाने पर मंदिरों से झांकियाँ निकालकर मेलों का वृहदस्तर पर आयोजन श्रद्वालुगण करते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पश्चात पुरानी परम्पराओं को जीवित रखते हुए राधा देवी सेवा संस्थान द्वारा रहीमनगर पड़ियाना में भी विशाल रूप से भव्यतम श्रीराधाकृष्ण मेले का आयोजन कमल किशोर शुक्ला मेला प्रबन्धक के सौजन्य से किया जाता है। मेले में ग्रामीण क्षेत्र के दूरदराज से परिवार सहित पुरुष,महिलाओं के साथ ही बच्चे भी आनन्द और मनोरंजन करके प्रसन्नचित होते हैं। मेले में दिन को जीवनोपयोगी सामानों की खरीददारी करने के साथ ही रात्रि में मनोरंजन हेतु, रासलीला व नौटंकी का भी आयोजन किया गया है। मेला प्रबन्धक के अनुसार प्रत्येक मंगलवार को पशु बाजार भी मेला स्थल रहीमनगर पड़ियाना में लगाया जाती है, जिसमें मुख्यरूप से दुधारू पशुओं की बिक्री भी होती है। मेले में सुरक्षा हेतु पुख्ता इन्तजाम भी किये गये हैं। इस भव्य मेले में सरोजनीनगर विधायक डाक्टर राजेश्वर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, पूर्व चेयरमैन जिला सहकारी समिति मोहन लाल गंज व वरिष्ठ पत्रकार अशोक तिवारी, पूर्व राज्य मंत्री के पिता वी के सिंह, पूर्व चेयरमैन व दर्जा प्राप्त मंत्री यूपीसीएल विरेंद्र तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार सिंह चौहान, शिव शंकर सिंह चौहान शंकरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख काकोरी राम विलास रावत, सपा नेता हरिशंकर यादव, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य अतुल सिंह माखन, वरिष्ठ भाजपा नेता शिव कुमार सिंह चौहान चच्चू, कीर्त गैस के प्रबन्धक राकेश सिंह "बब्लू, भाजपा नेता भुवनेन्द्र प्रताप सिंह मुन्ना, जिला प्रतिनिधि भाजपा जितेंद्र सिंह पिंकू, जिला उपाध्यक्ष भाजपा चन्दर सिंह राठौर, भाजपा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज सिंह चौहान व समस्त ग्राम पंचायत सचिव सरोजनीनगर ब्लॉक व मोहनलालगंज के भी मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री जी, गोंडा का बेलवा भान ग्राम पंचायत भू-मानचित्र से ही गायब- यह कैसा सरकारी तंत्र?

**● सरकारी तंत्र पर बड़ा सवाल आखिर कैसे गायब हुआ भू मानचित्र से ग्राम पंचायत का नक्शा**

**स्वतंत्र प्रभात**

**गोंडा।** उत्तर प्रदेश सरकार जहां डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्थाओं को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने का दावा कर रही है, वहीं गोंडा जिले की रूपईडीह ब्लॉक क्षेत्र की बेलवाभान ग्राम पंचायत एक हैरान कर देने वाली हकीकत सामने ला रही है। यह ग्राम पंचायत आज तक सरकारी भू-मानचित्र से ही गायब है।ग्रामीण शिव शंकर शुक्ल पुत्र योगेश्वर प्रसाद शुक्ल की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में साफ आरोप लगाया गया है कि जिस भूमि (गाटा संख्या 88, क्षेत्रफल 0.49 हेक्टेयर) पर पंचायत भवन का प्रस्ताव है, उसका भू-मानचित्र ही उपलब्ध नहीं है।

ग्रामीणों का कहना है कि बेलवा भान गांव के नाम पर पंचायत भवन निर्माण का प्रस्ताव तो आ गया, लेकिन संबंधित गाटा संख्या का मानचित्र ही उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिस जमीन का रिकॉर्ड ही अधूरा है, उस पर निर्माण कार्य की स्वीकृति आखिर दी कैसे गई? स्थानीय लोग सीधे-सीधे सरकारी तंत्र की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह "कागज़ी पंचायत" है, जिसका नाम तो सरकारी फाइलों में चलता है लेकिन आज तक इसका पूरा अस्तित्व नक्शे में दर्ज ही नहीं हो पाया।

जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि जब तक भू-मानचित्र और भूमि विवाद का निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक पंचायत भवन निर्माण कार्य रोका जाएगा। लेकिन इस पूरे मामले ने जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बेलवा भान ग्राम पंचायत का अस्तित्व आज तक सरकारी नक्शों में दर्ज क्यों नहीं हुआ?

1. क्या यह वर्षों से चली आ रही लापरवाही का परिणाम है?

2. या फिर स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और अनदेखी ने इस गांव को नक्शे से गायब कर रखा है?

3. और सबसे अहम सवाल - इस स्थिति का जिम्मेदार कौन है?

ग्रामीण अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधी गुहार लगा रहे हैं कि बेलवा भान ग्राम पंचायत को भू-मानचित्र में दर्ज कराकर इसे "अस्तित्व का अधिकार" दिलाया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

# टैरिफ को लेकर क्या था वो सवाल जिसे सुनकर जर्मन विदेश मंत्री का सूख गया गला, देखकर मुस्कुरा दिए जयशंकर

**भारत पर टैरिफ का जिक्र आते ही जर्मन विदेश मंत्री ने वेडपूल का मानो गला सूख पड़ा हो और उन्होंने पानी का ग्लास उठा लिया। वहीं भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर इस सवाल पर मंद मंद मुस्कुराते नजर आए।**

**स्वतंत्र प्रभात**

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहन वेडपूल भारत के पहले दौरे पर आए हुए हैं। दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद दोनों ने संयुक्त बयान भी दिया प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने दोनों नेताओं से सवाल किया कि रूस यूक्रेन के युद्ध को देखते हुए अमेरिका की तरफ से सभी देशों पर टैरिफ लगाकर इसे जंग रुकवाने का टूल बना दिया गया है। भारत पर भी मनमाने तरीके से गलत टैरिफ थोपे गए हैं। इसको लेकर आप दोनों के बीच चर्चा भी हुई होगी, तो इस पर आप क्या कहना चाहेंगे। इस सवाल का पहला हिस्सा तो दोनों नेताओं ने गौर से सुना। लेकिन भारत पर टैरिफ का जिक्र आते ही जर्मन विदेश मंत्री ने वेडपूल का मानो गला सूख पड़ा हो और उन्होंने पानी का ग्लास उठा लिया। वहीं भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर इस सवाल पर मंद मंद मुस्कुराते नजर आए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण और दूरगामी बदलाव हो रहे हैं और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में काफी अस्थिरता है। उन्होंने कहा कि ये दोनों मिलकर भारत, यूरोपीय संघ और भारत व जर्मनी के लिए एक-दूसरे के साथ और अधिक निकटता से काम करने का एक बहुत ही सशक्त आधार तैयार करते हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत के कई देशों के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक संबंध हैं और वैश्विक राजनीति या वैश्विक रणनीति की प्रकृति में यह शामिल है कि इनमें से प्रत्येक संबंध को बनाए रखा जाएगा। आज हम दुनिया में जो बदलाव देख रहे हैं, वे हमारी नीतियों और अन्य देशों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। हम वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण और दूरगामी बदलाव देख रहे हैं। हम वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भी काफी अस्थिरता देख रहे हैं और मुझे लगता है कि ये दोनों मिलकर भारत, यूरोपीय संघ और भारत व जर्मनी के लिए एक-दूसरे के साथ और अधिक निकटता से काम करने का एक बहुत ही सशक्त आधार तैयार करते हैं। यह एक ऐसा संबंध है जहाँ काफी तेज़ी से विकास की काफी संभावनाएँ हैं।

आज हमारी बातचीत मुख्यतः द्विपक्षीय मुद्दों पर केंद्रित रही... मंत्री महोदय ने मुझे आश्वस्त किया कि जर्मनी भी यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) वार्ता में अपना पूरा सहयोग देगा। तो कुल मिलाकर जवाब हाँ है। दुनिया में बड़े बदलाव हो रहे हैं। ये बदलाव भारत-जर्मनी के बीच गहरे, मज़बूत और व्यापक संबंधों के लिए एक बहुत ही मज़बूत आधार प्रदान करते हैं। जयशंकर ने कहा कि जर्मनी के साथ भारत का रिश्ता "बेहद महत्वपूर्ण रिश्ता" है, जो अपने सार में बढ़ रहा है और वास्तव में अनिश्चितताओं के इस समय में इसका महत्व और भी बढ़ गया है।